

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः  
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

रिऒुर् नडादूर् श्री श्रीनिधेः कृतिषु  
॥ श्रीमालोलसुतः ॥

*This document has been prepared by*

*Sunder Kidāmbi*

*with the blessings of*

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

*His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam*

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्रीमालोलसुरः ॥

करिताजितकल्लोलिकन्यकान्तरक्षसे ।

करुणादिगुणाद्याय कमलानिधये नमः ॥

माया धर ! श्रीनूहरे नमस्ते !

कायाधरार्थं कलितारतार !।

मायापरं मामपि रक्षितुं वरं

कायान्तराभाहि तमो रिभिल्लन् ॥ 1 ॥

मालोलमाहूर्ध्वगर्भ ! भ्रमन्तं

सन्तो महान्तो निगमान्तनिर्वाः।

तथैकलं चाहुरहो ! रिचित्रं

मिथो विरोधान्मतिरेति मोहम् ॥ 2 ॥

वरां तद्भ्रुतो रेडुमहं न चालं

मामेकलं तेन रिभारयामि।

मालोललोलं च रिभार्य नाथ !

दयानिधे ! मोहमहं त्यजामि ॥ 3 ॥

हिरण्यवर्णां हरिणीं ब्रह्मन्तं

गजं भ्रजन्तं परिपालयन्तम्।

मालोलसिंहं परमाद्भुतं वरां

आगस्त्रिनामग्रगतः प्रपद्ये ॥ 4 ॥

हिरण्यमूर्तिं तपनान्तरसे

हिरण्यशृङ्गं ब्रह्मन्तायाम्।

হিরণ্যরর্ণাং হরিণীং রহন্তং  
হিরণ্যদানং ভগরন্তমীডে ॥ 5 ॥

প্রহ্লাদরন্নতজনং পরিপালযন্তং  
তত্তাতরন্নতজনাঘমপোহযন্তম্।  
প্রহ্লাদদং নতজনায হিরণ্যদং চ  
মালোলমানরমৃগেন্দ্রমহং প্রপদ্যে ॥ 6 ॥

স্বূণাধিকানাংমপি মাদৃশানাম্  
অন্তর্নিরাসায় স এর যোগ্যাম্।  
স্বূণান্তরাসাদ্য চকার তস্মৈ  
মালোলসিংহায় নমো নমোহস্ত ॥ 7 ॥

হিরণ্যরক্ষো ন রুষা র্যাদারীং  
দযানিধির্ৱৎসল এষ নাথঃ।  
নঐখৈশ্চিকিৎসাং পুনরাততান  
দোষান্ তদন্তর্ৱহতো নিরস্যন্ ॥ 8 ॥

এরং ত্রিরের প্রভুরস্য কৃৎরা  
রৈদ্যশ্চিকিৎসাং শিশুপালতায়াম্।  
দোষানপোহ্য ক্ষমযা দদৌ তৎ  
স্বানন্দমস্মৈ তমমুং প্রপদ্যে ॥ 9 ॥

মালোলসিংহায় নমো নমস্তে  
মালোলমেনং রিষযেৱজস্রম্।  
আলোলমাহেতি কুটুম্বকার্যে  
মালোলমালোকত আতনুৱ ॥ 10 ॥

মালোলেতি ত্র্যক্ষরী যস্য কণ্ঠে  
মালোলা স্যাৎ সুস্থিরা তস্য গেহে।  
মালা লোলা সৎকলানাং চ তস্মিন্  
বালোলাপা লালনীয়াঃ কলাশ্চ ॥ 11 ॥

শ্রীরাসরাঘরকরীন্দ্রপযোধিজাতং  
মালোলরিষুপদদেরনদর্শনীয়ম্।  
এতং নিষের্য সময়ে স্তররাজচন্দ্রং  
সংসারতাপমখিলং শমযন্তু সন্তঃ ॥ 12 ॥

॥ ইতি শ্রীমালোলস্তরঃ সমাপ্তঃ ॥